यह निरीक्षण प्रतिवेदन प्राचार्य, डी.बी.एस.(पी.जी) कालेज, देहरादून द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना के आधार पर तैयार कया है। कार्यालयाध्यक्ष द्वारा उपलब्ध करायी गयी कसी त्रुटिपूर्ण अथवा अधूरी सूचना के लए कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा) उत्तराखण्ड, देहरादून की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

कार्यालय . प्राचार्य, डी.बी.एस.(पी.जी) कालेज, देहरादून के माह 01/2016 से 07/2017 तक के लेखा अ भलेखों पर निरीक्षण प्रतिवेदन जो श्री राजकुमार (ले.प.) खुशीराम, (व.ले.प.) व सुश्री रेखा, सहायक लेखापरीक्षा अ धकारी द्वारा दिनांक 19.08.2017 से 23.08.2017 तक श्री पुष्कर, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अ धकारी के पर्यवेक्षण में सम्पादित कया गया।

भाग-I

1. परिचयात्मकः इस इकाई की वगत लेखापरीक्षा श्री राजबहादुर एवं श्री रामवीर संह, सहायक लेखापरीक्षा अ धकारी द्वारा दिनांक 18.01.2016 से 29.01.2016 तक श्री सुनील कल्ला, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अ धकारी के पर्यवेक्षण में सम्पादित की गयी थी। जिसमें माह 02/2014 से 12/2015 तक के लेखा अ भलेखों की जांच की गयी थी। वर्तमान लेखापरीक्षा में माह 01/2016 से 07/2017 तक के लेखा अ भलेखों की जांच की गयी।

2. **(i)** इकाई के क्रयाकलाप एवं भौगो लक अ धकार क्षेत्रः महा वद्यालय रिस्पना नदी के पास मान संह वाला (करनपुर) क्षेत्र में हिमालय एवं शवा लक पहा डयों दून वैली में अवस्थित है।

   (ii) (अ) वगत तीन वर्षों में बजट आबंटन एवं व्यय की स्थिति निम्नवत हैः

वर्ष	प्रारम्भिक अवशेष		स्थापना		गैर स्थापना		आ धक्य (+) `	बचत (-) `
	स्थापना `	गैर स्थापना `	आवंटन `	व्यय `	आवंटन `	व्यय `		
लागू नही								

(ब) केन्द्र पुरोनिधानित योजनाओं के अन्तर्गत प्राप्त नि ध एवं व्यय ववरण निम्नवत हैः

वर्ष	योजना का नाम	प्रारम्भिक अवशेष `	प्राप्त `	व्यय अ धक्य (+) `	बचत (-) `
2015-16	UGC XII plan grant UGC SC/ST/OBC grant	शून्य	1320000 1900000	शून्य	1320000 1012385
2016-17	Golder Jubiter	शून्य	1000000	शून्य	1000000
2017- अब तक	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

(iii) इकाई को बजट आवंटन छात्रों में शुल्क से प्राप्त धनरा श से नि र्मत Maintenance fund द्वारा कया जाता है। गैर स्थापना व्यय को सम्मि लत न करते हुए इकाई सी श्रेणी की है। वभाग का संगठनात्मक ढांचा निम्नवत हैः

1. उच्च शक्षा निदेशालय, हल्द्वानी (नैनीताल), 2. स चव, प्रबन्ध स मति, डी.बी.एस. (पी.जी.) कालेज देहरादून 3. प्राचार्य, डी.बी.एस. (पी.जी.) कालेज, देहरादून 4. प्रवक्ता वर्ग 5. समूह (ग) वर्ग कर्मचारी 6. समूह (घ) वर्ग कर्मचारी

लेखापरीक्षा का कार्यक्षेत्र एवं लेखापरीक्षा व धः लेखापरीक्षा में प्राचार्य, डी.बी.एस.(पी.जी) कालेज, देहरादून को आच्छादित कया गया। समस्त स्वाधीन आहरण एवं वतरण अ धकारियों के निरीक्षण प्रतिवेदन पृथक-पृथक जारी कये जा रहे है। यह निरीक्षण प्रतिवेदन प्राचार्य, डी.बी.एस.(पी.जी) कालेज, देहरादून की लेखापरीक्षा में पाये गये निष्कर्षों पर आधारित है। माह 03/2017 व 05/2017 को वस्तृत जांच हेतु चयनित कया गया। का वस्तृत वश्लेषण कया गया। प्रतिचयन अ धकतम व्यय के आधार पर कया गया।

(iv) लेखापरीक्षा भारत के सं वधान के अनुच्छेद 149 के अधीन बनाये गये नियंत्रक-महालेखापरीक्षक के (कर्तव्य, शक्तियां तथा सेवा की शर्ते) अ धनियम, 1971 (डी पी सी एक्ट, 1971) की धारा 18 लेखा तथा लेखापरीक्षा वनियम, 2007 तथा लेखापरीक्षण मानकों के अनुसार सम्पादित की गयी।

भाग-दो(ब)

प्रस्तर-1- काशन मनी के तहत उपलब्ध कोष से रू. 18.18 लाख का अनिय मत व्यय।

कार्यालय डी.बी.एस. (पी.जी.) कालेज देहरादून की कॉशन मनी से संबं धत खाते सं. 1950536292 (सेन्ट्रल बैंक आफ इं डया) तथा संगत अ भलेखों की लेखापरीक्षा में जांच की गयी। इस संबंध में प्रभावी गाईडलाईन्स सं. 5125/15-11-86- प4 (45)/85 दिनांक 10 जुलाई 1986 के मुख्य अंश में तथ्य का उल्लेख पाया गया क यदि कन्हीं कारणों से कसी छात्र कोष में बचत हो जाती है और यह बचत 03 वर्ष तक बनी रहती है तो उस कोष की स मति उस बचत को अन्य छात्र कल्याणकारी कार्यों में व्यय करने हेतु प्रस्ताव पारित कर सकती है जिस पर कालेज की प्रबन्ध स मति के अनुमोदनोपरांत शक्षा निदेशक, उच्च शक्षा अथवा उनके द्वारा प्रा धकृत, कसी अ धकारी की अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य है।

अ भलेखों की जांच में पाया गया क महा वद्यालय द्वारा वर्ष 2014-15 में रू. 5.00 लाख तथा वर्ष 2015-16 में रू. 13.18 लाख अन्य प्रयोजन के लये आहरित कया गया जिसके समर्थन में वर्ष 2010 के उच्चा धकारी का अनुमति पत्र वषयक अ भलेख प्रस्तुत कया गया। उपलब्ध अ भलेखों की जांच में यह तथ्य प्रकाश में आया क वगत 05 वर्षों में छात्रों को वापस की गयी कॉशन मनी नगण्य थी। आगे जांच में पाया गया क कॉशन मनी के वापस के वापसी के संबंध में छात्रों को अवसर प्रदान करने क लेये महा वद्यालय द्वारा समय-समय पर सूचना प्रका शत नहीं की जा रही थी। महा वद्यालय के 05 वर्षों की कॉशन मनी की स्थिति अनुलग्नक में दर्ज है।

इस ओर इं गत कये जाने पर इकाई द्वारा उत्तर दिया गया क प्रॉस्पेक्टस में इसकी सूचना कर दी जाती है। क अपने कॉशन मनी का क्लेम करें।

इकाई का उत्तर तर्कसंगत नहीं पाया गया क्यों क वर्ष दर वर्ष छात्रों द्वारा क्लेम की जाने वाली प्रति भूति रा श से संबं धत आवेदन पत्रों की संख्या नगण्य थी तो महा वद्यालय की जिम्मेदारी थी क छात्रों को समय-समय पर अवगत कराने के लये सूचना प्रका शत करें। साथ ही जब-जब धन आहरित कया गया प्रत्येक अवसर पर नियमतः निदेशक उच्च शक्षा से अनुमति प्राप्त कया जाना था, जो लेखापरीक्षा में नहीं पाया गया।

अतः प्रकरण उच्चा धकारी से संज्ञान में लाया जाता है।

अनुलग्नक

कॉशन मनी का ववरण

लेखापरीक्षा की ति थ तक अवशेष धनरा श- रू. **28,10,324.07**

अव ध	प्राप्ति	वापसी	आहरित धनरा श
2012-13	278000.00	760.00	
2013-14	274220.00	978.00	
2014-15	231700.00	23994.00	500000.00
2015-16	207580.00	34820.00	1318380.00
2016-17	185440.00	41877.00	

भाग-III

वगत निरीक्षण प्रतिवेदनों के अनिस्तारित प्रस्तरों का ववरण

निरीक्षण प्रतिवेदन संख्या	भाग-II 'अ' प्रस्तर संख्या	भाग-II 'ब' प्रस्तर संख्या	**STAN**
169/2015-16	------	01,02,03 व 04	01

वगत निरीक्षण प्रतिवेदनों के अनिस्तारित प्रस्तरों की अनुपालन आख्याः

निरीक्षण प्रतिवेदन संख्या	प्रस्तर संख्या लेखापरीक्षा प्रेक्षण	अनुपालन आख्या	लेखापरीक्षा दल की टिप्पणी	अभ्युक्ति
169/2015-16	भाग-दो(ब) 01,02,03,04 STAN-01	प्रस्तुत	भाग-दो(ब) प्रस्तर- 1,2,3, एवं STAN-1 निरस्त कर दिये गये है। प्रस्तर-4- छात्रनि ध से अन्य प्रयोजन में व्यय करने हेतु शासनादेश के अनुसार निदेशक उच्च शक्षा से अनुमति लेना अनिवार्य होता है। संबं धत प्रकरण के सम र्थत साक्ष्म इकाई द्वारा लेखा परीक्षा में Diversion के पूर्व के आदेश प्रस्तुत कया गया। अतः प्रस्तर निरस्त करने योग्य नहीं है।	

भाग-**IV**

इकाई के सर्वोत्तम कार्य

----------शून्य----------

भाग-V

आभार

1. कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा) उत्तराखण्ड, देहरादून लेखापरीक्षा अव ध में अवस्थापना संबंधी सहयोग सहित मांगे गये अ भलेख एवं सूचनांए उपलब्ध कराने हेतु प्राचार्य, डी.बी.एस.(पी.जी) कालेज, देहरादून तथा उनके अ धकारियों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त करता है। तथा प लेखापरीक्षा में निम्न ल खत अ भलेख प्रस्तुत नहीं कये गयेः
   (i) शून्य

2. सतत् अनिय मतताएः
   (i) शून्य
3. लेखापरीक्षा अव ध में निम्न ल खत अ धकारियों द्वारा कार्यालयध्यक्ष का कार्यभार वहन कया गया

क्रम सं0	नाम	पदनाम	अव ध
(i)	श्री ओ.पी. कुलश्रेष्ठ	प्राचार्य	03.01.2016 से लेखापरीक्षा ति थ तक

लघु एवं प्र क्रयात्मक अनिय मतताएं जिनका समाधान लेखापरीक्षा स्थल पर नहीं हो सका उन्हें नमूना लेखापरीक्षा टिप्पणी में सम्मि लत कर एक प्रति प्राचार्य, डी.बी.एस.(पी.जी) कालेज, देहरादून को इस आशय से प्रे षत कर दी जायेगी क अनुपालन आख्या पत्र प्राप्ति के एक माह के अन्दर सीधे उपमहालेखाकार (सामाजिक क्षेत्र) कार्यालय महालेखाकार लेखापरीक्षा L-216 द् वतीय तल महालेखाकार भवन निकट होटल मैनेजमेंट इन्स्टीटयूट, कौलागढ़ देहरादून को प्रे षत कर दी जांय।

वरिष्ठ लेखापरीक्षा अ धकारी/सामाजिक क्षेत्र